बी.एच.डी.सी–112

अनुप्रयुक्त हिंदी में उपाधि कार्यक्रम
(BAAHD)

सत्रीय कार्य
(जनवरी 2024 सत्र के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.सी.-112
हिंदी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110068

सत्रीय कार्य
2024

पाठ्यक्रम कोड बी.एच.डी.सी. 112/2024

प्रिय छात्र/छात्राओ!

'हिंदी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ' पाठ्यक्रम में आपको एक सत्रीय कार्य करना है। यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। उददेश्य सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। उद्देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान जो कुछ आपने सीखा और समझा है उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता है। i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।

2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

3. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख कीजिए ।

4. उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

   अनुक्रमांक : ....

   नाम : ....

   पता : ....

   ....

   पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ....

   सत्रीय कार्य कोड : ....

   अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : ....

   दिनांक : ....

5. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन कागजों को अच्छी तरह

से बाँध लें।

6. प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और **अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।**

7. सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास निर्धारित तिथि तक अवश्य जमा करा दें ।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि :

जनवरी, 2024 माह में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 30 सितंबर, 2024

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश :

सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं।

उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास** : अपने उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार का विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ कमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए। एक प्रश्न में आपको कहानियों से लिए गए कुछ गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करनी है। इसके लिए गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और संदर्भ सहित व्याख्या करें।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :
क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,
ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा जो आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो।
घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

1. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसको साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दीजिए।
2. **विशेष :** अपने उत्तर की फोटो प्रति/कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें।

शुभकामनाओं सहित!

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य हैं अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

बी.एच.डी.सी.–112 (हिंदी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ)
सत्रीय कार्य
(संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : बी.ए.एच.डी.एच./बी.एच.डी.सी.–112
सत्रीय कार्य कोड बी.एच.डी.सी.–112/2024
कुल अंक 100

खंड–1

निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

1. हिंदी निबंध का उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए। 10

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या लिखिए। 2X10= 20

(क) ''मनुष्य के हाथ से ही ईश्वर के दर्शन कराने वाले निकलते हैं। बिना काम, बिना मजदूरी, बिना हाथ के कला–कौशल के विचार और चिंतन किस काम के! सभी देशों के इतिहासों से सिद्ध है कि निकम्मे पादरियों, मौलवियों, पंडितों और साधुओं का, दान के अन्न पर पला हुआ ईश्वर –चिंतन, अंतमें पाप, आलस्य और भ्रष्टाचार में परिवर्तित हो जाता है। जिन देशों में हाथ और मुँह पर मजदूरी की धूल नहीं पड़ने पाती वे धर्म और कला–कौशल में कभी उन्नति नहीं कर सकते। पद्मासन निकम्मे सिद्ध हो चुके हैं।''

(ख) ''मन फिर घूम गया कौशल्या की ओर, लाखों–करोड़ों कौसल्याओं की ओर, लाखों–करोड़ों कौसल्याओं के द्वारा मुखरित एक अनाम–स्वरूप कौशल्या की ओर, इन सब के राम वन में निर्वासित हैं। पर क्या बात है कि मुकुट अभी भी उनके माथे पर बँधा है और उसी के भीगने की इतना चिंता है ?

(ग) ''हृदय के भीतर जलनेवाली विरहाग्नि ने उसे किसी काम का नहीं छोड़ा। हे भगवान, तुम ऐसा कुछ नहीं कर सकते कि सारे गाँव के समान इस बालिका को भी चंद्रमा उतना ही शीतल लगे जितना औरों को लगता है अर्थात् विरहिणी की दारूण–व्यथा अब सब के चित की सामान्य अनुभूति के साथ ताल मिलाकर चलने लगी। पागल का 'लगना' एक का लगना होता है, कवि का लगना सबको लगने लगता है। बात उलट कर कही जाय तो इस प्रकार होगी– जिसका लगना सबको लगे वह कवि है, जिसका लगना सिर्फ उसे ही लगे, औरों को नहीं, वह पागल। लगने–लगने में भी भेद है। जो सबो लगे, वह अथ है, जो एक को ही लगे, वह अनर्थ है। अर्थ सामाजिक होता है।''

खंड–2

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 700–800 शब्दों में लिखिए।

3. निबंध से क्या आशय है ? इसकी विशेषताएँ लिखिए। 10
4. 'करुणा' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए। 10
5. 'रजिया' रेखाचित्र का सारांश लिखिए। 10

खंड–3

6. 'आम रास्ता नहीं है' के महत्व पर प्रकाश डालिए। 10
7. महाकवि जयशंकर प्रसाद 'संस्मरण' के माध्मय से प्रसाद जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए। 10
8. 'गिल्लू' रेखाचित्र का प्रतिपाद्य बताइए। 10
9. 'ये हैं प्रोफेसर शशांक' का कथासार लिखिए। 10